

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय
वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह जी
ता:- २६/११/२०२० (एन.सी.ई. आर.टी.पर आधारित)
पाठ:-दशमः पाठनाम जटायोः शौर्यम्

श्लोक ८

ततोऽस्य सशरं चापं मुक्तामणिविभूषितम्।

चरणाभ्यां महातेजा बभञ्जास्य महद्धनुः॥

अन्वयः-

ततः अस्य महातेजा सशरं चापम् अस्य मुक्तामणिविभूषितम्

धनुःचरणाभ्याम् बभञ्ज।

शब्दार्थाः-

सशरं – बाण सहित, चापम् – धनुष को

मुक्तामणिविभूषितम् – मोतियों और मणियों से सजे हुए

बभञ्ज – तोड़ दिया , महद्धनुः - विशाल धनुष को

अर्थ- उसके बाद उस महान तेजस्वी (जटायु) ने मोतियों और मणियों से सजे हुए

बाणों सहित उसके (रावण के)विशाल धनुष को अपने पैरों से तोड़ डाला ।